Regarding need to create a separate State of Bundelkhand-laid

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल **(हमीरपुर):** आज़ादी के बाद उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल, गोवा, उत्तराखंड, झारखण्ड, आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना इत्यादि राज्यों का निर्माण स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत हुआ और आंकड़े बताते हैं कि इन राज्यों के निर्माण के उपरांत इन राज्यों ने काफी प्रगति भी की है । परन्तु देश में नए राज्यों की मांग अभी भी जारी है । इन नए राज्यों की मांग में बुंदेलखंड राज्य की मांग भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है । बुंदेलखंड राज्य निर्माण की मांग का प्रमुख आधार विकास है| यद्यपि वर्तमान की उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा विकास के अनेक कार्य किये जा रहे हैं, परन्तु यदि बुन्देलखंड राज्य बन जाता है तो नई उर्जा के साथ इसका विकास बहुत तेज गति से संभव हो सकेगा और यह विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकेगा । इसके अतिरिक्त जहाँ अन्य राज्यों का विभिन्न आधार पर निर्माण हुआ और उन्होंने न सिर्फ आर्थिक प्रगति की वही अपनी संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन भी किया, परन्तु बुंदेलखंड में बोली जाने वाली बुन्देली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में भी जगह नहीं मिल पाई है । इस हेतु आपके माध्यम से मेरी सरकार से यह मांग है कि पृथक बुंदेलखंड राज्य का निर्माण किया जाये ।